National Seminar on Ideology and Philosophy of Chanakya: Relevance in Present to Lead the World

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-09-2023**

चाणक्य नीतियां आज भी हैं प्रासंगिक : कुलपति

विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा व दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर सेमिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में वीरवार को विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा व दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू व प्रो. एनके बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो. एनके बिश्नोई ने वर्तमान विश्व में प्रासंगिकता के साथ चाणक्य विचारधारा और दर्शन के व्यापक पहलुओं पर चर्चा की। सेमिनार में मुख्य अतिथि राज नेहरू ने कहा कि चाणक्य के सोचने के स्तर और गुणवत्ता पर हमें गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाणक्य की नीतियां लगभग तीन हजार वर्ष बाद आज भी प्रासंगिक है। नेहरू ने चाणक्य की नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन क्षमता, अध्यापन कला का भी जिक्र किया और बताया कि किस तरह से उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने सभी से चाणक्य के बारे में अध्ययन कर नए भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक अर्थशास्त्र के बारे में बताया। कार्यक्रम में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु ने किया। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने आए हुए मेहमानों का सम्मान किया।

आयोजन में रेणु, डॉ. रितु, अंजु, डॉ. अमनदीप वर्मा, प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. आरपी मीणा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. सुमन, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. केआर पलसानिया महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेमिनार में मंचासीन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. एनके बिनश्नोई। स्रोत : विवि

समूह चर्चा के दौरान उपस्थित विद्यार्थी विशेषज्ञ के साथ। स्रोत : विवि

मीडिया उद्योग में रोजगार की नई संभावनाएं

महेंद्रगढ़। हकेंवि महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरुआत होती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजेश बादल ने कहा कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कैरिअर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई-नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम उद्देश्य विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय, उद्योग के बारे में जागरूक करना है। विशाल जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। टेलीविजन न्यू मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर सर्व प्रथम खबर प्रकाशित करने की जल्दी में तथ्यों की जांच के लिए कम समय रहता है यही कारण है कि आज भी प्रिंट पत्रकारिता अधिक विश्वसनीय है। संवाद

उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों में व्यापक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, कुशल स्नातकों को तैयार करने में सहायक हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रो. आकाश सक्सेना ने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने में ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. पिंकी अरोड़ा उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)- वरदान या अभिशाप तथा जी-20 शिखर सम्मेलन के भविष्य के परिप्रेक्ष्य विषय पर गहन चर्चा की। यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरक और ज्ञानवर्धक रहा। इसमें उन्हें समसामयिक प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण विषयों के साथ संचार और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-09-2023**

हकेवि में 'चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

महेंद्रगढ़| हकेवि में गुरुवार को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में 'चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरु मुख्य अतिथि व प्रो. एनके बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए समसामयिक मुद्दों पर चाणक्य की विचारधारा और दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक 'अर्थशास्त्र' के बारे में बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 15-09-2023**

हकेवि में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन पर आधारित सेमिनार आयोजित

राज नेहरु ने मुख्य अतिथि व प्रो. एन.के. बिश्नोई ने मुख्य वक्ता के रूप में किया संबोधित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री राज नेहरु मुख्य अतिथि व प्रो. एन.के. बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए समसामयिक मुद्दों पर चाणक्य की विचारधारा और दर्शन की

प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक 'अर्थशास्त्र' के बारे में बताया जिसमें सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास शामिल है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि चाणक्य विचारधारा और दर्शन वर्तमान परिदृश्य में अभी भी प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे शिक्षा प्रणाली, धन वितरण, शासन, कूटनीति आदि क्षेत्रों में योगदान देकर चाणक्य रणनीति दुनिया को बदल सकती है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चाणक्य नीति पर अपने विचार साझा किए और प्राचीन इतिहास, महाभारत जैसे साहित्य पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने जीडीपी गणना पर जोर दिया और यह बताकर चिंता जताई कि हम जो भी उत्पादन करते हैं उसका उपभोग हमारे द्वारा किया जाता है और उपभोग का हिस्सा भारत की जीडीपी गणना में शामिल नहीं है।

सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो. एन.के. बिश्नोई ने वर्तमान विश्व में प्रासंगिकता के साथ चाणक्य विचारधारा और दर्शन के व्यापक पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कौटिल्य के अर्थशास्त्र, कौटिल्य के दर्शन, कौटिल्य के वैचारिक ढांचे, कौटिल्य की विदेश नीति के तरीकों, कौटिल्य के राजनीतिक दृष्टिकोण, प्रशासन के बारे में विचार, अर्थशास्त्र में आर्थिक सोच, सार्वजनिक वस्तुओं का प्रावधान, कीमत की धारणा आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेमिनार में मुख्य अतिथि श्री राज नेहरु ने कहा कि चाणक्य के सोचने के स्तर और गुणवत्ता पर हमें गर्व होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चाणक्य की नीतियाँ लगभग तीन हजार वर्ष बाद आज भी प्रासंगिक है। श्री नेहरु ने चाणक्य की नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन क्षमता, अध्यापन कला का भी जिक्र किया और बताया कि किस तरह से उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने सभी से चाणक्य के बारे में अध्ययन कर नए भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु ने किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि चाणक्य विचारधारा का भारतीय राजनीतिक और आर्थिक विचारों पर स्थायी प्रभाव पड़ा, जो व्यावहारिकता, शासन कला आदि पर जोर देता है।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने प्रस्तुत किया। आयोजन में सुश्री रेणु, डॉ. रितु, सुश्री अंजु, डॉ. अमनदीप वर्मा, प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. आर.पी. मीणा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. सुमन, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. के.आर. पलसानिया महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सेमिनार में विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।